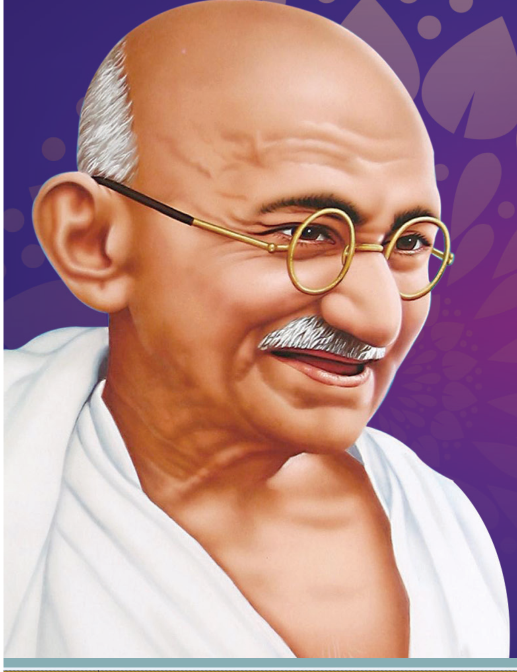

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

कनेक्ट

वर्ष-5, अंक- 11 नवंबर 2019 www.mgncre.org

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर

भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जल शक्ति कैम्पस और जल शक्ति ग्राम तथा स्वच्छ परिसर नियम पुस्तिका का लोकार्पण किया गया।

एक पुरस्कृत उपलब्धि ! एमजीएनसीआरई ने 2 अक्टूबर को गचीबोवली हैदराबाद में अपने स्वयं के परिसर के निर्माण की नींव रखी। इस अवसर पर **श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव** अपर सचिव एमएचआरडी और **प्रो. पी. अप्पा राव कुलपति,** हैदराबाद विश्वविद्यालय ने अपनी उपस्तिथि दर्ज कर सुशोभित किया । एमजीएनसीआरई ने निर्माण के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडबल्यूडी) हैदराबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए। परिषद अपने अत्याधुनिक कार्यालय आवास को आधुनिक सुविधाओं और विजिटिंग फैकल्टी के लिए आवासीय कमरों का सुख सुविधाओं सहित परिचालन शुरू करने जा रही है।

गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने माननीय शिक्षा मंत्री, श्री भूपेंद्रसिंह चुडास्मा, श्रीमती अंजू शर्मा शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और श्री एल.पी. पाडलिया उच्च शिक्षा आयुक्त की उपस्थिति में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर गुजरात में नियम पुस्तिका का लोकार्पण किया । यहाँ डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई नियमावली के शुभारंभ का निरिक्षण करते हुए ।

आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालयों में ग्रामीण अनुबंध मिशन...

आंध्र प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री बिस्वा भूषण हरिचंदन ने राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम में कहा कि "उच्च शिक्षा संस्थानों को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम में सुधार पर काम करना चाहिए ताकि छात्रों के बीच ग्रामीण सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक जिम्मेदारी की अवधारणा को स्थापित किया जा सके।" यूनीसेफ के साथ साझेदारी में जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य विज्ञान (डब्ल्यूएएस), संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों और संयुक्त राष्ट्र सेंदाई फ्रेमवर्क ऑफ डिजास्टर रिस्क फैसिलिटी और ग्रामीण लचीलापन से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए, एमजीएनसीआरई ने 23 और 24 अक्टूबर, 2019 को आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश में एक राज्य परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में श्री जेएसवी प्रसाद विशेष मुख्य सचिव उच्च शिक्षा प्रो के हेमाचंद्र रेड्डी अध्यक्ष एपी स्टेट काउंसिल ऑफ़ हायर एजुकेशन, जिला कलेक्टर गुंटूर आई. सैमुअल आनंद कुमार आईएएस, डॉ. महेन्द्र राजाराम आपदा जोखिम जोखिम अधिकारी यूनिसेफ, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के रामजी और अध्यक्ष एमजीएनसीआरई तथा कई अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, संकाय सदस्य और आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय के छात्र शामिल थे। आंध्रप्रदेश राज्य योजना विभाग, जल विज्ञान विभाग, गुणवत्ता नियंत्रण, जल संसाधन विभाग और आपदा प्रबंधन के राष्ट्रीय संस्थान के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

THE HANS INDIA THURSDAY 24 OCTOBER 2019 CITY/REGION

Students told to visit villages to learn

Recalling Mahatma Gandhi's message that soul of India lives in villages, Governor Biswabhusan Harichandan says students should undertake study tours to villages

HANS NEWS SERVICE

Governor Biswabhusan Harichandan releasing a book on 'Promoting Engagement of Rural Community' along with J S V Prasad, Spl Chief Secretary, Higher Education, Prof K Hemachandra Reddy, Chairman of AP State Council of Higher Education and others at Acharya Nagarjuna University in Guntur district on Wednesday

Vijayawada: Governor Biswabhusan Harichandan recalling Mahatma Gandhi's words, said that the soul of India lives in the villages and youth should visit the villages to spend some time there as part of their studies.

Speaking at a programme organised by Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) at Achayara Nagarjuna University on Wednesday, he suggested that the Vice-Chancellors of all the universities, faculty members and students who were attending the State-level consultation programme to encourage students of higher education institutions engaged with the rural community to take part in village study tours.

The Governor said higher education institutions have an important role in formulating and building a curriculum to promote student-rural community engagement. He appreciated the catalyst role played by the Mahatma Gandhi National Council of Rural Education in realising the objective of 'Sab ka Sath Sab ka Vikas'.

The Governor said the curriculum of higher education institutions should be re-oriented with rural community engagement as its main focus. He stressed the need to encourage students to visit rural areas and make them spend some time there to gain first-hand knowledge of the problems faced by the people living in villages.

He called for reforms in the curriculum at the graduate and post graduate level to instill the concept of rural community engagement among the students.

JSV Prasad, Special Chief Secretary, Higher Education, Prof K Hemachandra Reddy, chairman of AP State Council of Higher Education, Dr W G Prasanna Kumar, chairman, Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, Dr Mahendra Rajaram, Disaster Risk Reduction Officer, UNICEF, Prof Koona Ramji, Vice-Chancellor of Acharya Nagarjuna University, Vice-Chancellors of several other universities, faculty members and students attended the programme.

THE HANS INDIA Thu, 24 October 2019 https://epaper.thehansindia.com/c/44994902

माननीय राज्यपाल ने महात्मा गांधी के शब्दों को स्मरण करते हुए कहा कि भारत की आत्मा गांवों में रहती है और छात्रों को अपने अध्ययन के एक हिस्से के रूप में कुछ समय बिताने के लिए गांवों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों से ग्रामीण समुदाय के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

గ్రామీణాభివృద్ధితోనే దేశాభివృద్ధి

माननीय राज्यपाल ने **"सबका साथ सबका विकास"** के उद्देश्य को साकार करने में एमजीएनसीआरई द्वारा निभाई गई उत्प्रेरक भूमिका की सराहना की। उन्होंने छात्रों के बीच ग्रामीण समुदाय के अनुबंध की अवधारणा को प्रोत्साहित करने के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यक्रम में सुधार का आह्वान किया।

संपादक की टिप्पणी

एमजीएनसीआरई के लिए स्वयं के परिसर के निर्माण के लिए विवरणों को अंतिम रूप देना और शुरुआत करना हार्दिक उपलब्धि है। मैं एमजीएनसीआरई के भवन का अत्याधुनिक निर्माण करने के लिए तत्पर हूँ। भवन निर्माण के लिए भूमि के आवंटन में व्यक्तिगत रुचि दिखाने के लिए मैं **श्री रमेश पोखरियाल जी** माननीय मंत्री एमएचआरडी का गंभीरतापूर्वक तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। मैं **श्री वीएलवीएसएस सुब्बा राव** जी अपर सचिव एमएचआरडी को इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद देता हूँ ।

एमजीएनसीआरई की टीम ने देश भर में प्रज्वलन करके और हमारे लक्ष्य को प्राप्त करके वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, माननीय राज्यपालों, माननीय मुख्यमंत्रियों, संबंधित राज्यों के प्रशासनिक प्रमुखों और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा हमारी यात्रा में मील का पत्थर - जल शक्ति कैंपस और जल शक्ति ग्राम तथा स्वच्छ कैंपस सफलतापूर्वक लोकार्पण किए हैं। यह प्रक्षेपण स्वच्छता, स्वास्थ्य-विज्ञान और जल संरक्षण में उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक कदम है जो विकास के लिए राष्ट्रीय आवश्यकताएं हैं। मैं राज्य के राज्यपालों को यह संभव बनाने और उच्च शिक्षा संस्थानों को विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में बहुत जरूरी संदेश देने के लिए आग्रहपूर्वक धन्यवाद देता हूँ । मंत्रालय को उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पॉलिटेक्निक सहित उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा उपयोग में लाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जो परिसरों और उन गांवों में जल संरक्षण के लिए कार्यनीति, कार्य योजना और कार्यान्वयन योजनाएं हैं, जिनके साथ परिसर जुड़े हुए हैं।

नई तालीम सप्ताह के आयोजन के लिए हमारा आह्वान - स्कूलों में काम पर आधारित सीखने का एक अभियान - गांधीजी की 150 वीं जयंती समारोह के संदर्भ में अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था क्योंकि पूर्ववर्ती सप्ताह को नई तालीम सप्ताह के रूप में मनाया गया था। और 2 अक्टूबर को देश के सभी स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय नई तालीम दिवस के रूप में मनाया गया।

प्राध्यापक विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएं, ग्रामीण विसर्जन प्रशिक्षण कार्यक्रम, केस स्टडीज के हिस्से के रूप में गांव का दौरा, संस्थागत ग्राम का दौरा (स्वच्छ कार्य योजना के तहत) और चुनिंदा उच्च शिक्षा संस्थानों में "अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अवसर" पर हमारे आगामी उद्योग-अकादमियों के लिए जमीनी कार्य चल रही गतिविधियों पर चल रहे हैं। नवंबर-दिसंबर में होने वाले उद्योग अकादमिक मीट ज्ञान साझा करने, उद्योग संपर्क, इंटर्नशिप और परियोजनाएं, उत्पाद प्रदर्शन, नए उत्पाद लॉन्च, सामाजिक उद्यमिता के लिए गुंजाइश, प्लेसमेंट और निर्णय निर्माताओं, नीति निर्माताओं, प्रमुखों और उद्योग के विशेषज्ञ से बातचीत करने के लिए एक मंच के बारे में हैं। आज जैसे-जैसे युवा नौकरी की कमी का सामना कर रहे हैं और प्रौद्योगिकी कई पारंपरिक पारिवारिक नौकरियों को निरर्थक बना रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए स्वच्छता या स्वास्थ्य विज्ञान का क्षेत्र कई दरवाजे खोलता है। इसमें पूर्ण, अच्छी तरह से भुगतान करने वाली आजीविका प्रदान करने की क्षमता है और यह एक साफ, रहने योग्य भविष्य का वादा करता है। जो छात्र अध्ययन की इस पंक्ति को चुनते हैं, वे न केवल एक कैरियर के लिए, बल्कि अपने लिए और समाज के लिए एक स्वस्थ जीवन का चुनाव कर रहे हैं।

दीपों का त्यौहार दीपावली खुशियों की सौगात लेकर आया है! मैं सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ !

डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार
अध्यक्ष एमजीएनसीआरई

मैं भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विमोचन किये गए जल शक्ति कैंपस और जल शक्ति ग्राम तथा स्वच्छ कैंपस पर नियम पुस्तिका के प्रयासों को प्राप्त करने के लिए एमजीएनसीआरई टीम को बधाई देता हूँ । अधिकारियों ने उल्लेखनीय कार्य के लिए एमजीएनसीआरई की सराहना की है। 2 अक्टूबर को गांधीजी की 150 वीं जयंती को चिन्हित करते हुए हमेशा के लिए एमजीएनसीआरई के इतिहास में अंकित किया जाएगा ।

उद्योग- शैक्षणिक समुदाय मीट, उद्योग और उपादेयता को अपने अपशिष्ट प्रबंधन की पहल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा और अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में एमबीए के छात्रों के लिए कैरियर के अवसरों की जानकारी भी प्रदान करेगा। सभा शिक्षाविदों और अपशिष्ट प्रबंधन पेशेवरों के लिए एक नेटवर्किंग अवसर प्रस्तुत करता है। मुख्य वक्ता शिक्षाविदों और उद्योगों से अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्चक्रण, संसाधन पुनर्प्राप्ति और संसाधन दक्षता, सतत विकास, ऊर्जा को कचरे के रूपांतरण और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में पर्याप्त अवसरों के प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा आदान-प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। सदियों से हुई क्षति को वापस लाने की कुंजी प्राकृतिक चक्रों को पूरा करने और प्रकृति के सहज संतुलन को बहाल करने में निहित है। हाँ, यह संभव है। इस सिद्धांत को वास्तविकता में बदलने के लिए, केंद्रित कार्यबल के एक बड़े प्रशिक्षित संवर्ग को जगह में रखने की आवश्यकता है। मैं समृद्ध अनुभव के लिए तत्पर हूँ ।

मैं सभी को दीपावली की खुश और आनंदमय शुभकामनाएं देता हूँ !

डॉ. भारत पाठक
उपाध्यक्ष, एमजीएनसीआरई

15 - 19 अक्टूबर ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध पर 5 दिवसीय एफ.डी.पी.

श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालय तिरुपति आंध्र प्रदेश के प्रो. जे. कात्यायनी, प्रबंधन विभाग के प्रमुख ने एफडीपी का संयोजन और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि डॉ. अनुराधा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सह-संयोजक किया । प्रो. कात्यायनी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की ढांचागत समस्याओं को दूर करके हम गांवों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। एसपीएमवी के संकाय अध्यक्ष प्रो के मुरगैया ने कार्यक्रम के उद्देश्यों और अपेक्षित परिणामों के बारे में बताया। एम साई किरन एमजीएनसीआरई विशेषज्ञ संसाधक ने कार्यवाही का समन्वय किया। अध्यक्ष, एमजीएनसीआरई 4 वें दिन एफडीपी में शामिल हुए और मुख्य अतिथि ने सामुदायिक अनुबंध के उद्देश्य और महत्त्व पर व्याख्यान दिया।

Importance of field work stressed

SPMVV NSS Coordinator Prof J Katyayani along with Dr WG Prasanna Kumar, Dr K Sunitha and M Sai Kiran at the FDP on Friday

HANS NEWS SERVICE

Tirupati: The importance of field work especially in rural areas was stressed in the five-day faculty development programme (FDP) organised by the NSS Bureau in Sri Padmavati Mahila Visvavidyalayam (SPMVV) in collaboration with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Hyderabad. The National Chairman of MGNCRE, Dr WG Prasanna Kumar participated in the programme on Friday at SPMVV and said that villages are the backbone of the country.

M Sai Kiran, Programme Coordinator of MGNCRE underlined the importance of fieldwork, which is more realistic than teaching between four walls. A total of 40 faculty from various colleges in Tirupati were divided into five groups and visited Venkatramapuram village to study the ground realities there. SPMVV NSS Coordinator Prof J Katyayani, Co-convenor Dr K Sunitha, Dr N Anuradha and others participated in the programme.

THE HANS INDIA Sat, 19 October 2019 https://epaper.thehansindia.com/c/44816054

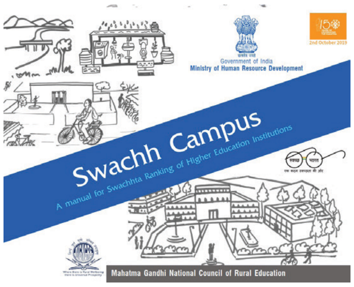

नियम पुस्तिका के लोकार्पण का अवलोकन

1. आंध्र प्रदेश

स्वच्छता और जल शक्ति की ओर - माननीय राज्यपाल श्री बिस्वा भूषण हरिचंदन - आंध्र प्रदेश में आगे का मार्ग प्रशस्त करते हुए!

2. अरुणाचल प्रदेश

"आज की जरूरत- पानी और सफाई" - माननीय राज्यपाल श्री बी डी मिश्रा अरुणाचल प्रदेश में आगे का मार्ग प्रशस्त करते हुए । इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, राज्य की प्रथम महिला श्रीमती नीलम मिश्रा और उपमुख्यमंत्री श्री चोउना मीन भी उपस्थित थे ।

3. असम

असम में जल शक्ति - स्वच्छता के साथ जोड़ा - माननीय मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल शिक्षा मंत्री श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य की उपस्थिति में सम्मान करते हुए ।

4. बिहार

"क्या शैक्षिक संस्थानों के लिए एक उल्लेखनीय उपकरण! मुझे खुशी है कि यह मैनुअल हिंदी में भी उपलब्ध है। "बिहार के माननीय राज्यपाल श्री फागु चौहान ।

5. छत्तीसगढ़

पानी और स्वच्छ स्मार्ट परिसरों की ओर - हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों के साथ छत्तीसगढ़ की माननीय राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके

6. गोवा

"जल शक्ति और स्वच्छ परिसर नियमावली द्वारा छात्रों को सशक्त बनाया जाएगा" गोवा की माननीय राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा

7. हरियाणा

हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री सत्यदेव नारायण आर्य ने - "इन एसओपी को लागू करने वाले महामहिम के लिए तत्पर हूँ"

8. हिमाचल प्रदेश

"जल संसाधन को अनुकूलित करने की आवश्यकता है" हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने इस अवसर पर कहा। मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर और शिक्षा मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज भी उपस्थित थे

9. झारखंड

"जल चेतना को छात्रों में शामिल करने की आवश्यकता है" - माननीय राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू। माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुबरदास और कैबिनेट मंत्री श्री सी. पी. सिंह भी उपस्थित थे।

10. कर्नाटक

"बहुत ही अभिनव और मनोरंजक पहल - देश के लिए अच्छा परिणाम है" कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री वजुभाई वाला

स्वच्छता कार्य योजना - गाँव का दौरा

राज्य - राजस्थान

व्यापक स्वच्छता प्रबंधन के एक भाग के रूप में कौटिल्य महिला टीटी कॉलेज के कर्मचारियों के साथ राजकीय उच् प्रथमिक विद्यालय, रोहड़ी

सह-समन्वयक, डॉ. संदीप जोशी, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर और दहामीकलान के ग्रामवासी

डॉ. पी. एस. राजपूत और डॉ. गरिमा मिश्रा (एसोसिएट नोडल अधिकारी, मोहनलाल सुखाड़िया, विश्वविद्यालय, उदयपुर) के साथ धार गाँव का दौरा

जलवास गांव में नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी, एनआईआईटी विश्वविद्यालय, राजस्थान

टेटरनवाल के ढाणी गाँव में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम पर नज़र रखने वाले प्रिंस एकेडमी ऑफ़ हायर एजुकेशन और एमजीएनसीआरई के अधिकारी

100% ओडीएफ श्यामपुरा गांव में प्रिंस शिक्षा प्रतिष्ठान महाविद्यालय के नोडल अधिकारी

राज्य - महाराष्ट्र

एमजीएम यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के नोडल अधिकारी सरपंच श्रीमती हर्षथ शोभनाथ चौधरी के साथ बातचीत करते हुए, धामनी गाँव

पिंपलागाँव में गएमआईटी कॉलेज एनएसएस के छात्र

राज्य - उत्तराखंड

तल्ला भानश हाई स्कूल में स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी टीम और एमजीएनसीआरई अधिकारी

राज्य - उत्तर प्रदेश

आईजीएनओयू के नोडल अधिकारी के साथ बातचीत करते हुए भटियाना के ग्रामवासी

राज्य - गोवा

सिरिडाओ-पालम गाँव के सरपंच के साथ एमजीएनसीआरई अधिकारी

राज्य - हरियाणा

गुरुग्राम के चोमा गांव में नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी के नोडल अधिकारी

हमने महसूस किया गाँव की मिट्टी को....
उनके सभी कार्य और शौचालय देखने के लिए...
खुले में शौच मुक्त का लक्ष्य....

एक सहयोगी प्रयास के लिए वे सहमत हैं...
ओडीएफ टैग वाले कुछ गाँव....
ज्ञान की झोली में रखना सीख रहे थे...

बंदर खतरा के लिए भोजनालय..
एक विचार है जो हमारी प्रशंसा का हकदार है..
हम जानते हैं कि देखने से ..

रोहतक में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय टीम

राज्य - कर्नाटक

थोर्नहल्ली पीडीओ के साथ गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी के कर्मचारी और थोर्नहल्ली गांव के उपाध्यक्ष

आरईवीए विश्वविद्यालय की टीम और एमजीएनएनआरईआरई अधिकारी शेट्टीगेरे गांव में सरपंच आनंद एस.डी.

राज्य - तमिलनाडु

वेट्टीकरनपट्टी गांव में अलगप्पा विश्वविद्यालय की टीम

एमजीएनसीआरई अधिकारी और कोंगु इंजीनियरिंग कॉलेज के नोडल अधिकारी और चिनैय्यापालम गांव में एक ग्रामवासी के साथ बातचीत

श्री शनमुघा कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नोडल ऑफिसर हेड मिस्ट्रेस के साथ और प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के साथ अन्नईकलपालयम गाँव में

श्री कृष्णा आर्ट्स और साइंस कॉलेज की टीम, कोयंबतूर के इक्कराई बोलुवमपट्टी में

राज्य - हिमाचल प्रदेश

सहायक नोडल अधिकारी, डॉ. अशोक कुमार, चितकारा विश्व विद्यालय

आंगनवाड़ी कर्मचारी के साथ

डॉ. नीरज गंडोत्रा (नोडल अधिकारी, शूलिनी विश्वविद्यालय), तातूल गांव के ग्रामीणों के साथ

राज्य - आंध्र प्रदेश

మరుగుదొడ్ల వినియోగంపై అవగాహన

● గ్రామాలను దత్తత తీసుకున్న నాగార్జున యూనివర్సిటీ విద్యార్థులు

आचार्य नागार्जुन छात्र खाजा नांबुर गांव में

పరిసరాల శుభ్రతే ఆరోగ్యానికి రక్ష

యామగానిపల్లెలో ర్యాలీ నిర్వహిస్తున్న విద్యార్థులు

गुदुपल्ली गाँव में द्रविड़ियन विश्वविद्यालय की टीम

वेंकटरामपुरम गांव में सेवन हिल्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी

उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता ग्रामीणों की भलाई है..
सराहनीय इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़े ..

उन्होंने हमें आश्चर्य और रोमांच में डाल दिया..
उनके कार्य धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ ..

शानदार राष्ट्र का निर्माण करेंगे..

जी वर्षा एमजीएनसीआरई प्रशिक्षु

कर्नाटक के माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण ने कन्नड़ संस्करण में गहरी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने कहा "यह बहुत ही संसाधनपूर्ण होगा।" इसके अलावा यूएनएसडीजीएस, यूएन डब्ल्यूएएसएच, यूएनएसएफडीआरआर पर एमजीएनसीआरई-यूएनआईसीईएफ प्रोग्राम लॉन्च किए गए ।

11. केरल

केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान - "यह वास्तव में एक बहुत ही स्मार्ट और समय पर पहल है। मैं एमजीएनसीआरई को बधाई देता हूँ"

12. मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री लालजी टंडन "उद्देश्य उल्लेखनीय है"

13. महाराष्ट्र

"जल शक्ति द्वारा शैक्षणिक संस्थान और समाज को भी लाभ मिलेगा" माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोशियारी

14. मणिपुर

"स्वच्छता और स्वास्थ्य विज्ञान को ऐसी नियमावली की आवश्यकता है" अंग्रेजी और मेइती मेयेक संस्करण मणिपुर के माननीय राज्यपाल डॉ. नजमा हेपतुल्ला द्वारा जारी किए गए थे। उप मुख्य मंत्री श्री वाई. जोयकुमार सिंह भी उपस्थित थे

15. मेघालय

"जल शक्ति परिसर एसओपीएस को पालन करने से विकसित होगा" मार्टिन लूथर क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. विंसेंट टी. डार्लोंन्ग

16. मिज़ोरम

श्री पु जोरमथांगा माननीय मुख्यमंत्री मिजोरम - "यह एमजीएनसीआरई की साहस और प्रतिबद्धता को दर्शाता है"

17. नागालैंड

जल संरक्षण - नागालैंड को सशक्त करेगा

नागालैंड के माननीय राज्यपाल श्री आर.एन. रवी

18. ओडिशा

स्वच्छता, स्वास्थ्य-रक्षा और जल संरक्षण - ओडिशा में बदलाव की ओर - श्री गणेशी लाल, ओडिशा के माननीय राज्यपाल

19. पंजाब

"जल शक्ति शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ राज्य के लिए एक नया पहल है" - माननीय राज्यपाल श्री वी.पी. सिंह बदनोर

20. पश्चिम बंगाल

"यह महत्वपूर्ण है। वास्तव में HEI के लिए ये कार्यान्वयन मार्गदर्शिकाएँ अपनाना बहुत महत्वपूर्ण हैं "पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री जगदीप धनकर धनखड़

21. सिक्किम

सिक्किम में जल शक्ति, स्वच्छता और खुशियों का संदेश देते हुए - माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग (गोल) की उपस्थिति में सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद, शिक्षा मंत्री माननीय मंत्री श्री कुंगा नीमा लेप्चा, माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री सोनम लामा और मुख्य सचिव श्री एस सी गुप्ता

22. तमिलनाडु

"हम सम्मानित हैं अपने राज्य में जलशक्ति और स्वच्छ कैंपस मैनुअल लॉन्च का पहल करके। "ये परिणाम समाज के लिए उन्मुख कार्यान्वयन योजनाएं हैं" तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल थिरु बनवारीलाल पुरोहित

23. तेलंगाना

हम हैं अग्रणी! तेलंगाना के माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन

24. उत्तराखंड

"एक बहुत ही सराहनीय उपलब्धि" माननीय राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य।

केंद्र शासित प्रदेश

1. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

"अपनी तरह का पहला!" - अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल देवेंद्र कुमार जोशी। श्रीमती चित्रा जोशी प्रथम महिला उपराज्यपाल, श्री विक्रम देवदत्त IAS, मुख्य सचिव अंडमान और निकोबार प्रशासन, श्री कुलदीप राय शर्मा, संसद सदस्य भी उपस्थित थे। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

2. चंडीगढ़

"चंडीगढ़ भारत के सबसे साफ शहरों में शुमार है। इन नियमावली को स्वच्छ और हरित भारत के लिए जोड़ा जाएगा। "माननीय यूटी प्रशासक श्री वी. पी. सिंह बदनोर

4. दादरा और नगर हवेली
5. दमन और दिउ

"पानी की स्मार्टनेस की आवश्यकता" - माननीय राज्यपाल दमन और दीव और दादरा नगर हवेली श्री प्रफुल्ल खोदाभाई पटेल द्वारा रास्ता दिखाना

3. दिल्ली एन.सी.टी.

"मैं एमजीएनसीआरई के उल्लेखनीय काम से अभिभूत हूँ । राष्ट्र को समय पर उपहार! "माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल

6. लद्दाख

"राज्य नया है और यह राष्ट्रीय पहल का हिस्सा बनने के लिए रोमांचक है!" माननीय कार्यकारी LAHDC कारगिल, श्री मोहम्मद अली चंदन साहिब

7. लक्षद्वीप

लक्षद्वीप में शिक्षा संस्थानों का संचालन - श्री आर मिहिर वर्धन आईएएस IAS, माननीय प्रशासक, लक्षद्वीप। साथ ही श्री पी। पी। मोहम्मद फैज़ल, सांसद लक्षद्वीप, श्री शिवकुमार आईएएस IAS, सचिव, शिक्षा, श्री विजेंद्र सिंह रावत आईएएस IAS, जिला कलेक्टर और श्री बी हसन, अध्यक्ष और मुख्य परामर्शदाता (पीसीसी) उपस्थित थे।

8. पुदुचेरी

विशेष प्रेरणा जोड़ना - यानम पुदुचेरी में प्रशासनिक अधिकारी श्री शिवराज मेनन आईएएस IAS

नवी मुंबई के सारदा कुरुप कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन घनसोली में एक साथ कार्यशालाएँ आयोजित की गईं

ज्ञान गंगा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च घनसोली नवी मुंबई "नई तालीम और अनुभवजन्य शिक्षा" पर एक दिवसीय कार्यशाला में एसके कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च घनसोली नवी मुंबई के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

यूजीसी-एचआरडीसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय में 2-दिवसीय आरआईटीपी कार्यक्रम 91 वें अभिविन्यास कार्यक्रम के भाग के रूप में 30 और 31 अक्टूबर

तेलंगाना एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए परामर्श कार्यशाला 16 अक्टूबर

डब्ल्यूएएसएच और एसएफडीआरआर को शुरू करके विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में एसडीजी को मुख्यधारा में लाने के यूनिसेफ और एमजीएनसीआरई साझेदारी के एक उद्देश्य के रूप में, एमजीएनसीआरई ने 2018-19 में तेलंगाना विश्वविद्यालयों में गोलमेज, कार्यशाला और एफडीपी आयोजित की। इसी समय, यूनिसेफ एचएफओ ने इस साझेदारी को विस्तार देने और विश्वविद्यालय के छात्रों को क्षमता निर्माण के लिए एक वॉश स्वयंसेवी केंद्र का निर्माण करने की मांग की है ताकि डब्ल्यूएएसएच परिणामों को बनाए रखने में व्यवहार परिवर्तन के पैरोकार बन सकें। छात्र स्वयंसेवकों के परिदृश्य और स्वयंसेवकों के दायरे को समझने के लिए, तेलंगाना में प्रत्येक विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक और दो कार्यक्रम अधिकारियों को आमंत्रित करके 16 अक्टूबर को एमजीएनसीआरई में एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया था। यूनिसेफ के प्रतिनिधि जो श्री पी किशोर कुमार, सलाहकार स्वयंसेवी और श्री रवि तेजा, सलाहकार नवाचार थे।

18 और 19 अक्टूबर को ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध एनआईटी वरंगल की कार्यशाला

प्रो. के. वी. जया कुमार, प्रभारी निदेशक एनआईटीडब्लू मुख्य अतिथि थे और एमजीएनसीआरई के एमबीए अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पर बात की। प्रो. गोवर्धन राव, रजिस्ट्रार, एनआईटीडब्ल्यू, सम्मानित अतिथि ने प्रतिभागियों को इस तरह की गतिविधियों के लिए छात्रों की समावेशिता और एनआईटीडब्ल्यू के 2 गांवों को गोद लेने के बारे में संबोधित किया। डॉ. जी सुनीथा, कार्यक्रम समन्वयक ने यूबीए के महत्व पर बात की।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) खजुरला विलेज पंजाब में छात्र

अन्य कार्यशालाएँ

- अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में एमबीए पर कार्यशाला - चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश 1 अक्टूबर
- स्वछता कार्य योजना और सामुदायिक अनुबंध पर एक दिवसीय कार्यशाला - जवाहर नेहरू राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 3 अक्टूबर
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध पर राज्य स्तरीय 2 दिवसीय कार्यशाला एसएनडीटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन पुणे महाराष्ट्र 14 और 15 अक्टूबर
- स्वच्छता कार्य योजना और सामुदायिक अनुबंध महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना पर एक दिवसीय कार्यशाला
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध पर एक दिवसीय कार्यशाला - विश्वतेज डिग्री कॉलेज मुलुगु 24 अक्टूबर
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध शासकीय डिग्री कॉलेज, एटनगरम, मुलुगु जिला पर एक दिवसीय कार्यशाला। 25 अक्टूबर
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध महर्षि डिग्री और पीजी कॉलेज, बंदरपल्ली, मुलुगु जिला 26 अक्टूबर को एक दिवसीय कार्यशाला
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध पर दो दिवसीय कार्यशाला - एमराल्ड एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज तिरुपति 28 और 29 अक्टूबर
- ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक अनुबंध पर कार्यशाला तुलसी डिग्री कॉलेज, अनुपपुर 24 अक्टूबर
- ग्रामीण समुदाय की चिंताओं में कार्यशाला, TISS टीआईएसएस तुलजापुर (ग्रामीण परिसर) 14 अक्टूबर
- बम विवेकानंद प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज बर्दवान पश्चिम बंगाल 25 अक्टूबर
- ग्रामीण समुदाय अनुबंध और ग्रामीण मग्नता कार्यक्रम सरकारी डिग्री कॉलेज कुक्कटपल्ली हैदराबाद में 25 अक्टूबर को एक दिवसीय कार्यशाला
- गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज हयात नगर हैदराबाद में 26 अक्टूबर को एक दिवसीय कार्यशाला
- आरसीई पर एक दिवसीय कार्यशाला सरकार डिग्री कॉलेज (महिला) - नलगोंडा में 29 अक्टूबर
- नागार्जुन सरकार डिग्री कॉलेज (स्वायत्त) नलगोंडा में 30 अक्टूबर को आरसीई पर 1 दिवसीय कार्यशाला
- श्री बैजनाथ गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट, बाराबंकी 21 अक्टूबर
- एरम कॉलेज मेलारायगंज, बाराबंकी 22 अक्टूबर
- केकेपीजी कॉलेज इटावा 23 अक्टूबर
- एस बी एस पी जी कॉलेज मंगलपुर बाराबंकी 24 अक्टूबर
- किशन पी.जी. कॉलेज बहराइच 25 अक्टूबर

एमजीएनसीआरई की ओर से सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

सत्यमेव जयते

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद, तेलंगाना - 500 004.
तेलंगाना राज्य. दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ. डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया वी और शिवराम जी, श्री पी मुरली मनोहर सदस्य-सचिव एमजीएनसीआर द्वारा प्रकाशित